SA-03

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

अनुक्रमणिका

काव्य तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास

इकाई सं.	इकाई का नाम	पृष्ठसंख्या
	कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग)	
इकाई 1	भाषा शैली तथा काव्य–सौन्दर्य, शिव–पार्वती संवाद तथा पात्रों का चरित्र–चित्रण	1–12
इकाई 2	श्लोक संख्या 1 से 30 तक श्लोकों का हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या एवं अनुवाद आदि	13–38
इकाई 3	श्लोक संख्या 31 से 60 तक श्लोकों का हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या एवं अनुवाद आदि	39–54
इकाई 4	श्लोक संख्या 61 से 86 तक श्लोकों का हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या एवं अनुवाद आदि	55–69
	रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)	
इकाई 5	कथानक का सारांश, राजा दिलीप का चरित्र–चित्रण, प्रकृति–चित्रण, उपमा–वैशिष्ट्य	70–78
इकाई 6	श्लोक संख्या 1 से 30 तक श्लोकों का हिन्दी में सप्रसंग अनुवाद, भावार्थ आदि	79–95
इकाई 7	श्लोक संख्या 31 से 60 तक श्लोकों का हिन्दी में सप्रसंग अनुवाद, भावार्थ आदि	96–111
इकाई 8	श्लोक संख्या 61 से 95 तक श्लोकों का हिन्दी में सप्रसंग अनुवाद, भावार्थ आदि	112–130
	रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)	
इकाई 9	सिंह तथा दिलीप का संवाद, दिलीप की चारित्रिक विशेषताएं, भाषा–शैली तथा काव्य–सौन्दर्य	131–139
इकाई 10	श्लोक संख्या 1 से 40 तक के महत्त्वपूर्ण श्लोकों की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	140–156
इकाई 11	श्लोक संख्या 41 से 75 तक के महत्त्वपूर्ण श्लोकों की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	157–172
	संस्कृत साहित्य का इतिहास **उपजीव्य काव्य–रागायण, गहाभारत**	
इकाई 12	रामायण और महाभारत की उपजीव्यता	173–183
इकाई 13	संस्कृत महाकाव्य का उद्भव तथा विकास	184–194
इकाई 14	संस्कृत साहित्य का इतिहास भारवि, माघ तथा श्रीहर्ष	195–216
इकाई 15	संस्कृत साहित्य का इतिहास संस्कृत गद्य का उद्भव तथा विकास–सुबन्धु, बाणभट्ट, दण्डी	217–237